अध्याय - 5 | पुष्पी पादपों की आकारिकी

QUIZ PART-02

1. **पत्ती का कौन-सा भाग तने से जुड़ा होता है?**
   A. स्तरिका B. पर्णवृन्त
   C. पर्णाधार D. अनुपर्ण (C)

व्याख्या : पर्णाधार (Leaf base) वह भाग है जो पत्ती को तने से जोड़ता है। कुछ पौधों में पर्णाधार पर अनुपर्ण (Stipules) भी उपस्थित होते हैं।

2. **पर्णवृन्त (Petiole) का मुख्य कार्य क्या है?**
   A. पत्ती को स्थिर रखना
   B. पत्ती को हवा में गतिशील बनाए रखना
   C. जल का संचयन
   D. भोजन संग्रहण (B)

व्याख्या : पर्णवृन्त पत्ती की स्तरिका को हवा में गतिशील बनाए रखता है जिससे पत्तियों को पर्याप्त प्रकाश और शुद्ध वायु प्राप्त होती है।

3. **निम्न में से कौन-सी संरचना पत्ती के भीतर जल और खनिजों के परिवहन में सहायक होती है?**
   A. शिराएँ और शिरिकाएँ B. अनुपर्ण
   C. पर्णवृन्त D. पर्णाधार (A)

व्याख्या : पत्ती की शिराएँ और शिरिकाएँ (veins and veinlets) जल, खनिज और भोजन के परिवहन में सहायक होती हैं।

4. **एकबीजपत्री पौधों में शिरा विन्यास का प्रकार कौन-सा होता है?**
   A. जालिकायुक्त
   B. समानान्तर
   C. विकीर्ण
   D. अनियमित (B)

व्याख्या : एकबीजपत्री पौधों में समानान्तर शिरा विन्यास पाया जाता है, जैसे—गेहूँ, धान आदि।

5. **निम्न में से कौन-सी पत्ती में मध्य शिरा तक कटाव नहीं पहुँचता?**
   A. सरल पत्ती
   B. संयुक्त पत्ती
   C. अनुपर्णयुक्त पत्ती
   D. क्लैडोड पत्ती (A)

व्याख्या : सरल पत्तियों में स्तरिका अखंड होती है या कटाव मध्य शिरा तक नहीं पहुँचता।

6. **नीम के पौधे में किस प्रकार की संयुक्त पत्ती होती है?**
   A. हस्ताकार
   B. पंखाकार
   C. जालिकायुक्त
   D. समानान्तर (B)

व्याख्या : नीम में पंखाकार संयुक्त पत्तियाँ पाई जाती हैं जिनमें अनेक पत्रक एक ही अक्ष पर जुड़े रहते हैं।

7. **तने या शाखा पर पत्तियों के विन्यास के क्रम को क्या कहा जाता है?**
   A. पुष्पक्रम
   B. शिरा विन्यास
   C. पर्णविन्यास
   D. पर्णवृन्त (C)

व्याख्या : तने या शाखा पर पत्तियों के क्रमबद्ध विन्यास को पर्णविन्यास कहते हैं। यह पौधों में प्रकाश ग्रहण को अधिकतम करने में सहायक होता है।

8. **अमरुद के पौधे में पत्तियों का कौन-सा विन्यास पाया जाता है?**
   A. एकान्तर B. सम्मुख
   C. चक्करदार D. बेतरतीब (B)

व्याख्या : अमरुद में सम्मुख पर्णविन्यास पाया जाता है जिसमें प्रत्येक गाँठ पर दो पत्तियाँ आमने-सामने होती हैं।

9. **एल्स्टोनिया (डेविल ट्री) में पर्णविन्यास का प्रकार कौन-सा है?**
   A. एकान्तर
   B. सम्मुख
   C. चक्करदार
   D. मिश्रित (C)

व्याख्या : एल्स्टोनिया में चक्करदार पर्णविन्यास पाया जाता है जिसमें एक ही गाँठ पर दो से अधिक पत्तियाँ होती हैं।

10. **असीमाक्षी पुष्पक्रम की विशेषता क्या है?**
    A. प्रमुख अक्ष की वृद्धि सीमित होती है
    B. प्रमुख अक्ष निरंतर बढ़ता है और फूल पार्श्व में बनते हैं
    C. सभी फूल एक साथ खिलते हैं
    D. पुष्पक्रम में केवल एक फूल होता है (B)

व्याख्या : असीमाक्षी पुष्पक्रम में प्रमुख अक्ष की वृद्धि निरंतर होती है और फूल पार्श्व में अग्राभिसारी क्रम में विकसित होते हैं।

DESH KA APNA SCHOOL